

भारत का राजपत्र

The Gazette of India



असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

13-10-87
JG

सं. 441] नई विल्ली, भगलवार, सितम्बर 1, 1987/भाद्र 10, 1909
No. 441] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 1, 1987/BHADRA 10, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(प्राधिक कार्य विभाग)

(स्टाक एक्सचेंज प्रभाग)

नई विल्ली, 1 सितम्बर, 1987

प्रधिसूचना

का.प्रा. 804(अ):—केन्द्रीय सरकार को स्टाक एक्सचेंज, मुम्बई के शासी निकाय
से लिखित रूप में यह अनुरोध प्राप्त हुआ है कि इसके द्वारा बनाई गई उपविधियों का
संशोधन कर दिया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, प्रतिभूति संविदा (विनियम) प्रधिनियम, 1956 (1956
का 42) की धारा 10 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

नीचे अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट स्टाक एक्सचेंज, मुम्बई की उपविधियों का संशोधन करती है और उक्त धारा की उपधारा (4) के परन्तुके अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, लोक-हित में और अविलंब उपभोक्ता संरक्षण निधि के प्रारम्भ को सुकर बनाने के लिए उपविधियों के उक्त संशोधन के पूर्व प्रकाशन की शर्त का अभिमोजन करती है।

अनुसूची

स्टाक एक्सचेंज, मुम्बई की उपविधियों की उपविधि 353 के पश्चात् निम्नलिखित नई उपविधि अतःस्यापित को ज.एगी, अथवा :—

“353-क : स्टाक एक्सचेंज के नियमों, उपविधियों और विनियमों के अनुसार किसी सदस्य के व्यतिक्रमी घोषित कर दिए जाने की वशा में, ऐसे गैर सदस्य को जारी की गई किसी संविदा के अधीन किसी गैर सदस्य से ऐसे सदस्य को वेय सभी रकमें मांग पर स्टाक एक्सचेंज उपभोक्ता संरक्षण निधि के न्यासियों को उपर्युक्त निधि के नियमों के अनुसार वेय तारीख को संदेय होंगी और उपर्युक्त निधि के न्यासी इसके पश्चात् इसका उन नियमों के अनुसार संवितरण करेंगे।”

[फा. सं.एफ 14/4/एस ई/85]

पी. जी. मानड, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Stock Exchange Division)

New Delhi, the 1st September, 1987

NOTIFICATION

S.O. 804(E).—Whereas the Central Government has received a request in writing from the governing body of the Stock Exchange, Bombay that the bye-laws made by it may be amended;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 10 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), the Central Government hereby makes the amendment to the bye-laws of the Stock Exchange, Bombay as specified in the Schedule below, and in pursuance of the proviso to sub-section (4) of that section, the Central Government, in the public interest and to facilitate commencement of Customers Protection Fund without delay, hereby dispenses with the condition of previous publication of the said amendment to the bye-laws.

SCHEDULE

After Bye-law 353 of the bye-laws of the Stock Exchange, Bombay, the following new bye-law be inserted, namely :—

“353-A : In the event of a member being declared a defaulter in accordance with the rules, bye-laws and regulations of the Stock Exchange, all amounts due to such member from a non-member under a contract issued to such non-member shall be payable on the due date to Trustees of the Stock Exchange Customers' Protection Fund on demand in accordance with the rules of the above Fund and the Trustees of the above Fund shall thereafter disburse the same in accordance with these rules.”

[File No. F. 14/4/SE/85]

P. G. MANKAD, Jt. Secy.

